

संस्करण : लखनऊवर्ष : 11अंक : 157पृष्ठ : 6मूल्य : 1.00लखनऊ-**सोमवार,06 अक्टूबर 2025** लखनऊ, प्रयागराज ,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित**3** ओबीसी वोट बैंक को साधने में जुटी कांग्रेस, यूपी के **4** डा. अंबेडकर और साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद एवं पूंजीवाद **5** अनीता हसनंदानी बनी छोरियां चली गांव की विजेता

सीएम योगी की राजस्व विभाग के अफसरों के साथ बैठक



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य कर विभाग में तैनाती का आधार केवल परफॉर्मस होगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि फील्ड में वही अधिकारी तैनात किए जाएं जो लक्ष्य प्राप्तिके प्रति प्रतिबद्ध हों और जिनकी छवि पूरी तरह साफ हो। मुख्यमंत्री

रविवार को राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तिवॉ की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जौनल अधिकारियों से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएस्टी के नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म के बाद बाजार में तेजी देखी जा रही है और आने

दक्षिण बंगाल में बाढ़ का संकट गहराया, ममता ने दिया तत्काल मदद का भरोसा

बंगाल। उत्तर और दक्षिण बंगाल में 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक मूसलाधार बारिश तथा पड़ोसी राज्यों से नदियों के अत्यधिक बहाव के कारण अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इस सापथ में जान-माल की हानि के साथ-साथ दो पुल टूटने और कई सड़कें क्षतिग्रस्त होने से बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चिंता व्यक्त की है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में अचानक हुई भारी बारिश के आई बाढ़ पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तुरंत सभी आवश्यक सहायता पहुंचाने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने एक्स



कि कल रात कुछ ही घंटों में अचानक हुई भारी बारिश और बाहर से हमारे राज्य में नदी के पानी के अत्यधिक प्रवाह के कारण उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। 12 घंटों

वाले महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम निश्चित रूप से दिखाई देंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि धनेतरस और दीपावली के अवसरों पर अनावश्यक जांच अथवा छापेमारी की कार्रवाई से बचा जाए। व्यापारियों और उद्यमियों के उत्पीड़न की शिकायत कहीं से भी नहीं आनी चाहिए। बैठक के दौरान जौनवार समीक्षा में अवगत कराया गया कि बेरेली (64.2%), सहारनपुर (63.7%), मेरठ (63.0%), गोरखपुर (62.5%)

और झांसी (62.1%) जैसे जोंनों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है। वहीं कुछ जोंनों में लक्ष्य पूर्ति 55 से 58 प्रतिशत के बीच रही, जहां सुधार की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने वाराणसी प्रथम व द्वितीय, गोरखपुर, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ प्रथम व द्वितीय, कानपुर प्रथम व द्वितीय, इटावा, झांसी, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद प्रथम व द्वितीय, गौतमबुद्ध नगर और सहारनपुर सहित सभी जोंनों की संभागवार और

खंडवार समीक्षा की। उन्होंने सभी जौनल अधिकारियों से कहा कि 50 प्रतिशत से कम राजस्व संग्रह वाले खंडों की स्थिति का कारण स्पष्ट करें और सुधार की कार्ययोजना तत्काल तैयार करें। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि बेरेली, झांसी और कानपुर प्रथम जोंन में कोई भी खंड 50 प्रतिशत से कम संग्रह वाला नहीं है, जो संतोषजनक है। वहीं, अस्तोषजनक प्रदर्शन करने वालों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व वृद्धि राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति का संकल्प लेकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि

वरिष्ठ अधिकारी स्वयं मार्केट मैपिंग करें, सामान्य रूप से बाजार में जाएं, व्यापारियों से मिलें और उनकी अपेक्षाओं को समझें। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि मंडी शुल्क में कमी से किसानों को राहत और राजस्व में वृद्धि दोनों हुई हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि पारदर्शी और सरल कर प्रणाली हमेशा लाभकारी होती है। उन्होंने व्यापारियों से संवाद बनाए रखने पर बल देते हुए कहा कि जीएस्टी पंजीकरण बढ़ाने और समय से रिटर्न फाइल कराने के लिए टेस प्रयास किए जाएं। सितंबर तक राज्य को 55 हजार करोड़ की प्राप्ति हुई बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सितम्बर माह तक राज्य कर विभाग को कुल 55,000

करोड़ की प्राप्ति हुई है। इसमें 40,000 करोड़ जीएस्टी तथा 15,000 करोड़ वैट/जीन-जीएस्टी से प्राप्त हुए हैं। गत वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 55,136.29 करोड़ की प्राप्ति हुई थी। चातुर्वितीय वर्ष के लिए राज्य कर विभाग को 21.75 लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष के 1,56,982 करोड़ की तुलना में लगभग 18,700 करोड़ अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय जीएस्टी संग्रह में अग्रणी योगदान देना चाहिए और इसके लिए नियोजित प्रयास किए जाएं। बैठक में बोगस फर्मां और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों पर विशेष चर्चा हुई।

तेजस्वी का सनसनीखेज आरोप, भाजपा के कहने पर नीतीश के खाने में मिलावट हो रही!

बिहार। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कथित असामान्य व्यवहार पर तेजस्वी यादव ने उनके मानसिक स्वास्थ्य और सरकार चलाने की योग्यता पर गंभीर संदेह व्यक्त किए हैं। राजद नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ करीबी सहयोगी भाजपा के इशारे पर नीतीश के खाने में मिलावट कर रहे हैं, जिससे बिहार की सत्ता में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक वर्चुअल समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कथित 'अनिर्णयित' व्यवहार को लेकर उन पर सीधा हमला किया है। यादव ने इस घटना को आधार बनाते हुए मुख्यमंत्री के 'मानसिक स्वास्थ्य' और 'सरकार चलाने की क्षमता' पर गंभीर संदेह व्यक्त किए हैं।



उप-मुख्यमंत्री और वर्तमान में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने अपने 'एक्स' हैंडल पर नई दिल्ली में आयोजित उस समारोह का वीडियो साझा किया, जिसमें मुख्यमंत्री

अपने आवास से वर्चुअली शामिल हुए थे। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में, यादव ने कहा, 'एक प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस दयनीय स्थिति में देख आपको कैसा लग रहा है? क्या अजीब हरकते करते मानवीय मुख्यमंत्री जी आपको मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई दे रहे है?' तेजस्वी ने एक बड़ा आरोप लगाते हुए पूछा, 'क्या मुख्यमंत्री की इस मानसिक स्थिति के लिए उनके करीबी सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जो गठबंधन सहयोगी भाजपा के कहने पर उनके खाने में मिलावट कर रहे होंगे?' एक प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस दयनीय स्थिति में देख आपको कैसा लग रहा है? क्या अजीब हरकते करते था? मुख्यमंत्री जी आपको मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई दे रहे है?

विधानसभा चुनाव की घोषणा जल्द, मुख्य चुनाव आयुक्त का दावा-एसआईआर ने बिहार में मतदाता सूची का किया शुद्धीकरण

पटना। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा और इसके चरणों को लेकर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में लागू की जाने वाली 17 नवीं पहल न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी। उन्होंने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार चुनाव को छठ महापर्व की तरह लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने भोजपुरी और मैथिली में मतदाताओं को संबोधित करते हुए आभार व्यक्त किया और लोकतंत्र के प्रति सहयोग के लिए बधाई दी। कुमार ने कहा कि बिहार ने वैशाली से लोकतंत्र को जन्म दिया है और अब बिहार से ही चुनाव सुधार की नयी दिशा देश को मिलेगी। उन्होंने



योग्य मतदाता नामांकन की समाप्ति से दस दिन पहले तक फॉर्म-6 या फॉर्म-7 भरकर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद पूरी होने पर संतोष व्यक्त करते हुए दावा किया कि इस कवायद से राज्य

में 22 वर्षों के बाद मतदाता सूची का द्वादशशुद्धीकरणलब्ध हुआ है। कुमार ने कहा, द्वादहहजार से 243 निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक में एक ईआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) है। इस काम को पूरा करने में 90,207 बीएलओ ने उनकी मदद की, जिससे 22 वर्षों के बाद मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण किया जा सका। इससे पहले, बिहार में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में हुआ था। उन्होंने बताया कि नवीं पहल का कुछ हिस्सा चुनाव पूर्व लागू होगा और कुछ उपाय मतदान के दौरान प्रभावी रहेंगे। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में स्वीकार किया गया है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है।

नई दिल्ली। सोमन वांगचुक ने लेह हिंसा के दौरान हुई 4 लोगों की मौत की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है। उन्होंने जोधपुर सेंट्रल जेल से एक पत्र लिखा है, जो रविवार को जारी किया गया। वांगचुक ने लिखा- जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं चाहता हूँ और गिरफ्तार लोगों के लिए प्रार्थना करता हूँ। 4 लोगों की मौत की जांच एक स्वतंत्र न्यायिक आयोग से होनी चाहिए, जब तक ऐसा नहीं होता, मैं जेल में ही रहूंगा। वह लेटर एडवोकेट मुस्तफा हाजी ने साझा किया है, जो लेह एफेक्स बॉडी (एलएबी) के कानूनी सलाहकार हैं। उन्होंने और वांगचुक के भाई भाई त्सेतन दोरजे ले ने 4 अक्टूबर को जेल में वांगचुक से

मुलाकात की थी। दरअसल, वांगचुक को 24 सितंबर को लेह हिंसा भड़काने के



आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। वह फिलाहाल जोधपुर की जेल में हैं। वांगचुक की रिहाई की मांग को लेकर लगाई गई हेबियस

कार्पास (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका पर 6 अक्टूबर को सुनवाई होगी। वांगचुक ने कहा कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं और सभी शुर्भाचिंतकों का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने लेटर में एनएबी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने लिखा लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की हमारी मांग संवैधानिक और न्यायसंगत है। एलएबी जो भी कदम लद्दाख के हित में उठाएगा, मैं उसके साथ पूरी तरह हूँ। सुप्रीम कोर्ट में सोमन वांगचुक की रिहाई की मांग को लेकर लगाई गई याचिका पर 6 अक्टूबर को सुनवाई होगी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी

बारिश की मार झेल रहे किसानों से 'जबरन वसूली'? पवार ने उट कोष पर उठाए सवाल

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र में गन्ना किसानों के फसल नुकसान के बीच शरद पवार ने मुख्यमंत्री शरद कोष के लिए उसे कथित 'जबरन वसूली' पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंनेसरकार से संकेतप्रस्त किसानों की मदद करने के बजाय उसे धन पेट्टेने का आरोप लगाते हुए इस निर्णय को तत्काल रद्द करने की मांग की। पवार ने फसल क्षति केविस्तृत आकलन और प्रभावी किसान सहायता पैकेज की आवश्यकता पर जोर दिया। एससीपी (शरददत्त पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण किसानों और फसलों को हुए भारी नुकसान पर चिंतित व्यक्त की है। उन्होंनेविशेष रूप से गन्ने की फसलों को हुए व्यापक नुकसान का मुद्दा उठाया और इस स्थिति से



हुए बताया कि मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई इलाकों में गन्ने की फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'इस नुकसान का विस्तृत आकलन आवश्यक है।' इस क्षति के मूल्यांकन और

निपटने के लिए राज्य सरकार के फैसलों पर कड़ी आलोचना की। पवार ने वसंतदादा शुगर इंडीयूट के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई इलाकों में गन्ने की फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'इस नुकसान का विस्तृत आकलन आवश्यक है।' इस क्षति के मूल्यांकन और



संछिप्त खबरे
भारत माता को लेकर की आपत्तिजनक, टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

विदिशा। मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में कथित तौर पर भारत माता के अपमान के आरोप में असद खान जिलानी नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के सिरोंज निवासी जिलानी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में भारत माता को कथित तौर पर डायन कहा था, जिसके बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज कर यह कार्रवाई की गई। सिरोंज थाना प्रभारी विमलेश राय ने बताया कि चक्रेश्वर दयाल श्रीवास्तव नाम के एक व्यक्ति ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष पर केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए सिक्के से संबंधित एक पोस्ट फेसबुक पर साझा की थी। उन्होंने कहा कि असद खान ने इस पर टिप्पणी करते हुए लिखा था, 'हस डायन की पूजा पिशाच करें। जिसके हाथ में तिरंगा नहीं, वह हमारी भारत माता नहीं। खान को इस टिप्पणी के बाद विश्व हिन्दू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। राय ने बताया कि खान के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 के तहत मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

शाह ने शिरडी में की मुख्यमंत्री फडणवीस

और उपमुख्यमंत्रियों से मुलाकात

शिरडी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे व अजित पवार के साथ शिरडी में महत्वपूर्ण बैठक की। भाजपा सूत्रों के अनुसार यह बैठक शनिवार देर रात लगभग 45 मिनट तक चली। सूत्रों ने बताया कि बैठक में महाराष्ट्र के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश से फसलों को हुए नुकसान और प्रभावित किसानों को तुरंत वित्तीय सहायता देने की आवश्यकता पर विशेष ध्यान दिया गया। नेताओं ने इस मुद्दे पर तत्काल राहत पैकेज की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। इस बैठक में केवल कृषि संकट ही नहीं, बल्कि राज्य में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं और प्रशासनिक मामलों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। केंद्रीय और राज्य स्तर के नेताओं ने मिलकर आवश्यक कदमों और रणनीति पर चर्चा की। अमित शाह शनिवार रात अहिल्यानगर जिले के शिरडी पहुंचे।

पाकिस्तानी सेना के बाद

रक्षामंत्री की भारत को धमकी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान केरक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने धमकी देते हुए कहा है कि अबकी बार जून हुई तो नीचे अपने लड़ाकू विमानों के मलबे के नीचे दब जाएगा। उन्होंनेरविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भारतीय लीडरशिप अपनी खोई हुई विस्मयनीयता पाने के लिए भड़काऊ बयान दे रही है। आसिफ ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली जानबूझकर तनाव बढ़ा रही है ताकि नागरिकों का ध्यान घेरलू चुनौतियों से भटकया जा सके। इससे पहले पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात को कहा था कि अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो तबाही होगी। अगर दुश्मनी का नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब देंगे। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग आईएसपीआर ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि भारतीय रक्षामंत्री और सेना के अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना बयान जंग को बढ़ावा देने की कोशिश हैं। इसके साथ ही भारतीय आर्मी चीफ जेनरल दिवेंद्र सिंह ने निशाना साधते हुए पाकिस्तानी सेना ने कहा जहां तक पाकिस्तान को नकशे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसे हालात आते हैं, तो दोनों देश मिट जाएंगे।

रेलवे बोर्ड ने रानाघाट-बनगांव खंड के दोहरीकरण के लिए 396 करोड़ से अधिक की मंजूरी दी

पश्चिम बंगाल के लोगों के जीवन को आसान बनानेकेलिए भारतीय रेलवे द्वारा अधिक सामाजिक अवसंरचना का सृजन

गोरखपुर,: रानाघाट-बनगांव खंड पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल का एक प्रमुख खंड है, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट बनगांव स्टेशन को सियालदह-कृष्णानगर मुख्य लाइन से कम दूरी पर जोड़ता है, जिससे निकटवर्ती जिलों नदिया और उत्तर 24 परगना के बीच माल और स्थानीय यात्रियों की त्वरित आवाजाही संभव हो पाती है। रानाघाट-बनगांव खंड के दोहरीकरण से खंड के विभिन्न स्टेशनों के पूर्व दूरस्थ क्षेत्रों से

माल और यात्रियों की निर्बाध



आवाजाही संभव हो सकेगी। कूपर हॉल्ट, नवा रायनगर हॉल्ट, गंगनापुर, माझेग्राम, अकाईपुर हॉल्ट, गोपालनगर और सतबरिया से पश्चिम बंगाल के अन्य हिस्सों के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों तक रेल संपर्क स्थापित किया जाएगा।

जनता जनार्दन अभियान ज्वाला पार्क में लगा विशेष शिविर, महापौर ने सुर्नी लोगों की समस्याएं

कानपुर। ज्वाला पार्क में अमर उजाला जनता जनार्दन अभियान के तहत आयोजित विशेष शिविर में महापौर प्रमिला पांडेय ने लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान महापौर ने दो दशक से पार्क पर हुए अवैध कब्जे को तत्काल तोड़ने का निर्देश जोनल अधिकारी सीपी सिंह को दिया। कानपुर में अमर उजाला के जनता जनार्दन अभियान के तहत रविवार को अजीतगंज वार्ड के अंतर्गत बाबा कुटी स्थित ज्वाला पार्क में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महापौर प्रमिला पांडेय और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। शिविर के दौरान, जिस ज्वाला पार्क में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उसी पार्क के एक हिस्से में दो दशक से भी ज्यादा समय से अवैध रूप से कब्जा कर बनाए गए तीन घरों का मामला सामने आया। महापौर प्रमिला पांडेय ने इस अवैध कब्जे को गंभीरता से लेते हुए, जोन-तीन के जोनल अधिकारी सीपी सिंह को तत्काल अवैध कब्जे तोड़ने के सख्त निर्देश दिए।

भाजपा संगठन और प्रशासन की हुई बैठक
बस्ती। शनिवार को बस्ती सदर तहसील सभागार में भाजपा संगठन एवं प्रशासन की समन्वय बैठक हुई। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने की, जबकि प्रशासन की ओर से उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक रहे। भाजपा पदाधिकारियों ने जनता से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इनमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत खुदाई के बाद सड़कों की मरम्मत न होने, नगर पंचायतों में नंगे लटक रहे बिजली के तारों, लो वोल्टेज की समस्या, तथा थानों में आम नागरिकों की शिकायतों की उपेक्षा जैसे मुद्दे शामिल रहे। बैठक में नगर एवं मंडल स्तर के पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को विस्तार से रखा और उनके समाधान हेतु टोस कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार और संगठन, दोनों का उद्देश्य जनता को सुशासन देना है। कार्यकर्ताओं की बात दरअसल जनता की आवाज है, और उसे प्राथमिकता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि फील्ड स्तर पर समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर जनता में विश्वास कायम करें।

युवती से दुष्कर्म व धमकाने का केस

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में युवती से दुष्कर्म और धमकी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने बताया कि अप्रैल 2020 में वह पैदल घर जा रही थी। पूर्व परिचित रेहान उर्फ अयाज अहमद बाइक लेकर पीछे से आया और वह उसे बैठा लिया। आरोप है कि कुछ दूर आगे आरोपी ने सुनसान जगह पर बाइक खड़ी कर युवती को झाड़ी में खींच लिया और गले पर चाकू रखकर दुष्कर्म किया। आरोपी ने अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिया। युवती ने शिकायत करने की बात कही तो आरोपी ने शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाया। विरोध करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। युवती के पश्चातवी होने पर उसने जबरन गर्भापात कराने की कोशिश की। आरोपी के परिवार ने युवती और उसकी मां को धमकी देते हुए घर से भगा दिया। सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण तिवारी के निर्देश पर पुलिस ने रेहान उर्फ अयाज अहमद समेत चार लोगों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंजीनियर पद पर हुआ चयन, परिवार में खुशी

बस्ती। मुंडेरवा क्षेत्र के सिरौता गांव के रहने वाले रजनीश पांडेय का इंजीनियर पद पर चयन हुआ है। सामान्य परिवार से संबंध रखने वाले रजनीश ने अपनी कड़ी मेहनत के बल पर यह उपलब्धि हासिल की तो उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। उनका चयन एनटीपीसी में इंजीनियर के पद पर हुआ है। शहर के सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग के प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक व एमटेक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद गेट-2024 को परीक्षा में सफलता हासिल कर नौकरी प्राप्त की। उनकी इस सफलता पर बड़े पिता कौशल पांडेय, भाई अवनीश पांडेय आदि ने प्रसन्नता जताई है।

महिला काश्टकारों को दी गई निशुल्क खतौनी

भानपुर/रुधौली। मिशन शक्ति के तहत संपन्न संपूर्ण समाधान दिवस में महिला हेल्प डेस्क के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं का निस्तारण किया गया। पुष्पा पत्नी शिवकुमार निवासी मनौढ़ी के प्रार्थनापत्र पर सुनवाई की गई। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर गुणवत्ता पूर्वक मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए गए। साथ ही फेरसम, भानपुर और केवराखोर में महिला काश्टकारों के पक्ष में पारित विवादित वसीयत और वारिसात संबंधी आदेशों के अनुसार निशुल्क उद्धरण खतौनी क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक के माध्यम से महिलाओं को उपलब्ध कराई गई। राजस्व निरीक्षक रवि प्रकाश पाठक, सुभाष चौबे, लेखपाल वीरेंद्र चौधरी, कुलदीप पाठक आदि उपस्थित रहे। संपूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी रवीश गुप्ता और एसपी अभिनंदन ने लोगों की शिकायतें सुनीं। कुल 26 फुरियादियों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। किसी भी मामले का समाधान नहीं हो सका।

रेलवे बोर्ड ने रानाघाट-बनगांव दोहरीकरण कार्य (32.93 किमी) के लिए ३96.04 करोड़ की स्वीकृत दी है, जो इस परियोजना को शीघ्र पूरा करने में सहायक सिद्ध होगी। इस खंड के दोहरीकरण कार्य में कुल 9 स्टेशन और 2 सीमित ऊँचाई वाले सबवे (एलएचएस) शामिल होंगे, जिनमें से एक सबवे को रानाघाट और माझेग्राम के बीच और दूसरे सबवे को माझेग्राम और गोपालनगर के बीच बनाया जाएगा। रानाघाट जंक्शन सियालदह-कृष्णानगर-लालगोला मुख्य लाइन खंड

पर स्थित एक स्टेशन है, जबकि बनगांव सियालदह/कोलकाता-दमदम बनगांव-पेट्रुपोल (बांग्लादेश सीमा के पास) खंड पर स्थित एक जंक्शन स्टेशन है। भौतिक रूप से ये दोनों स्टेशन नदिया और उत्तर 24 परगना जिलों के सुदूर छोर पर स्थित हैं, जो अब सिंगल लाइन रेलवे नेटवर्क से जुड़े हैं। लेकिन बढ़ती आवादी और तेज रस्द और यात्री आवाजाही की आवश्यकता को देखते हुए, तेज कनेक्टिविटी की सख्त जरूरत होगी। हाल ही में राणाघाट और सियालदह के बीच बनगांव होते हुए (रानाघाट-बनगांव मार्ग से) एसी ईम्यू लोकल ट्रेन सेवा शुरू की गई है, जिससे

यात्री को लिनेन उपलब्ध कराते हुये ओ.बी.एच.एस. स्टाफ

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ I-2025 के पाँचवें दिन 05



अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ रेलगाड़ी थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों, ट्रेनों एवं रेलवे कॉलोनिయों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर, कार्यालयों,



साफ-सफाई की गई। यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छ रेलगाड़ी थीम के अन्तर्गत लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों ने ट्रेनों में लिनेन, पैंटीकार इत्यादि के साफ-सफाई की जांच की। ट्रेनों में गहन साफ-सफाई की गई तथा यात्रियों से फीडबैक प्राप्त किया गया एवं ओ.बी.एच.एस. स्टाफ का सम्मानित करने हेतु नामित किया गया। वाराणसी मंडल के आजमगढ़ , वाराणसी सिटी, बनारस, भटनी, बेलथरा राठ, बलिया, छपरा, देवरिया सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, प्रयागराज रामबाग एवं सीवान स्टेशनों पर

पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश को दबोचा

गाजीपुर। गाजीपुर जिले की पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस की कार्रवाई में बदमाश को गोली लगी। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया। गाजीपुर जिले में थाना खानपुर पुलिस टीम की बदमाशों से शनिवार को मुठभेड़ हुई। जिसमें 25 हजार का इनामी वांछित शातिर नकबजन मुकेश उर्फ शिष्पू राजभर गोली लगने से घायल हो गया। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा और दो जिंदा कारतूस के अलावा चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया। सीओ कासिमाबाद शुभम



शैलेन्द्र प्रताप सिंह मय टीम क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक इनामिया बदमाश चांदपुर मोड़ के पास मौजूद है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर

उसे घेरने की कोशिश की तो बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी

मुकेश उर्फ सिष्पू (शिष्पू) राजभर पुत्र राधे उर्फ राधेश्याम राजभर निवासी सिगारपुर गहिरा, थाना खानपुर, गाजीपुर के रूप में हुई है। बताया कि अभियुक्त का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ जौनपुर और गाजीपुर जिलों में एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। मुठभेड़ और गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष खानपुर शैलेन्द्र प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी सिधौना कमल भूषण राय और चौकी प्रभारी मौधा राम बाबू सिंह अपनी टीम के साथ शामिल रहे। बताया कि घायल इनामिया बदमाश के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तीमारदारों ने नर्स से की धक्का-मुक्की

कानपुर। हैलट अस्पताल के वार्ड-13 में मरीज से मिलने आए लोगों और नर्स/महिला सिपाही के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस चौकी द्वारा तहरीर लेने से मना करने पर प्राचार्य डॉ. संजय काला भड़क गए और उनकी पुलिस से तीखी बहस हुई। वहीं, जूनियर डॉक्टरों ने एक सुरक्षा गार्ड को नौकरी से हटाने की मांग की है। कानपुर के हैलट अस्पताल में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर एक बार फिर बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। वार्ड 13 के बेड नंबर 21 पर भर्ती रेगी रामप्रकाश मिश्रा से मिलने आए लोगों और ड्यूटी पर मौजूद नर्स के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिसमें एक महिला सिपाही भी शामिल थी। मरीज रामप्रकाश मिश्रा से मिलने आए लोगों को लेकर नर्स और वहां मौजूद महिला सिपाही से विवाद हो गया, जो जल्द ही धक्का-मुक्की में बदल गया। इस घटना के बाद जब पीड़ित पक्ष चौकी में तहरीर देने पहुंचा, तो पुलिसकर्मियों ने तहरीर लेने से मना कर दिया। इस बात पर हैलट अस्पताल के प्राचार्य डॉ. संजय काला भड़क गए। सुरक्षा गार्ड को नौकरी से हटाने की मांग प्राचार्य के हस्तक्षेप के बाद भी पुलिसकर्मियों से उनकी तीखी बहस हुई, जिसने अस्पताल परिसर में तनाव बढ़ा दिया। इसी दौरान अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जूनियर डॉक्टरों और हैलट के एक सुरक्षा गार्ड के बीच भी झगड़ा हो गया। जूनियर डॉक्टरों ने सुरक्षा गार्ड पर ठीक से काम न करने का आरोप लगाते हुए उसे नौकरी से हटाने की मांग की है।



बीच तेज आवाजाही स्थापित हो जाएगी। इस खंड के दोहरीकरण से 0.88 मिलियन टन प्रति वर्ष अतिरिक्त माल यातायात के अवसर भी पैदा होंगे और रानाघाट एवं बनगांव के बीच दोहरी लाइन के इस खंड पर प्रत्येक दिशा में प्रतिदिन 10 अतिरिक्त यात्री रेलगाड़ियों की सेवाएँ उपलब्ध होंगी, जिसके परिणामस्वरूप ७8.66 करोड़ की अतिरिक्त आय होगी। इस खंड के दोहरीकरण से इस क्षेत्र के निवासियों के लिए सामाजिक लाभ भी बढ़े गा, क्योंकि माल एवं यात्री रेलगाड़ियों की निर्बाध आवाजाही होगी और जीवनयापन में आसानी होगी।



संक्षिप्त खबरें

एल.डब्ल्यू.एल.आर.डी. के 02 तथा पैंटीकार के 01

कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा के लिये 15133/15134 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा द्वि-साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस वाया गोरखपुर का नियमित संचलन छपरा से 20 अक्टूबर, 2025 से प्रत्येक सोमवार एवं बृहस्पतिवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 22 अक्टूबर, 2025 से प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को निम्नवत किया जायेगा। 15133 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल द्वि-साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 20 अक्टूबर, 2025 से प्रत्येक सोमवार एवं बृहस्पतिवार को छपरा से 22.00 बजे प्रस्थान कर सीवान से 22.55 बजे, थावे से 23.35 बजे, दूसरे दिन तमकुही रोड से 00.27 बजे, पडरौना से 01.12 बजे, कप्तानगंज से 02.10 बजे, गोरखपुर से 03.25 बजे, खलीलाबाद से 04.03 बजे, बस्ती से 04.31 बजे, बभनान से 04.56 बजे, मनकापुर से 05.37 बजे, गोंडा से 06.35 बजे, बाराबंकी से 08.40 बजे, बादशाहनगर से 09.48 बजे, ऐशबाग से 10.25 बजे, कानपुर सेंट्रल से 13.35 बजे तथा इटावा से 15.45 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 22.10 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 15134 आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा द्वि-साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस 22 अक्टूबर, 2025 से प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 00.20 बजे प्रस्थान कर इटावा से 04.22 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.05 बजे, ऐशबाग से 09.10 बजे, बादशाहनगर 09.33 बजे, बाराबंकी से 10.35 बजे, गोंडा से 13.30 बजे, मनकापुर से 13.54 बजे, बभनान से 14.38 बजे, बस्ती से 15.13 बजे, खलीलाबाद से 15.36 बजे, गोरखपुर से 17.00 बजे, कप्तानगंज से 18.20 बजे, पडरौना से 18.55 बजे, तमकुही रोड से 19.47 बजे, थावे से 20.25 बजे तथा सीवान से 21.25 बजे छूटकर छपरा 22.50 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शवनवान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, एल.डब्ल्यू.एल.आर.डी. के 02 तथा पैंटीकार के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ी का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु बैतालपुर-गौरी बाजार डाउन लाइन पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ी का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा।

मार्ग परिवर्तन-

-दरभंगा से 06 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी परिवर्तित मार्ग सीवान-थावे-कप्तानगंज-गोरखपुर के रास्ते चलाई जायेगी।

सत्संग से जागृत होता है विवेक

मुंडेरवा। चीनी मिल परिसर में देवी भागवत कथा में आचार्य दयानिधान पांडेय ने कहा कि कथा सुनने से मन, वाणी और विचार में शुद्धता आती है। विवेक जागृत होने से मनुष्य का कल्याण होता है। आचार्य ने बताया कि सत्संग से मानव का विवेक जागृत होता है और यह संसार के समस्त भौतिक सुख-साधनों से कहीं अधिक मूल्यवान है। कहा कि मनुष्य को सदैव मृत्यु के लोगों के साथ रहना चाहिए और अच्छे विचारों का सत्संग करना चाहिए। अहंकार व्यक्ति को दूसरों को नीचा दिखाने की ओर ले जाता है, जबकि संस्कारयुक्त व्यक्ति सदैव दूसरों का सम्मान करता है। आचार्य ने यह भी कहा कि रिश्ते तभी सच्चे कहलाते हैं जब वे समय पर साथ दें। कमाई की परिभाषा केवल धन तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुभव, रिश्ते, प्रेम, सम्मान और सबक भी कमाई का ही स्वरूप हैं। कथा आयोजन में भरत मौर्या, जोखन अग्रहरि, लक्ष्मण मौर्य, रामकेश शर्मा, रमेश, राकेश आदि उपस्थित रहे।

रामजानकी मार्ग के किनारे रैनकट से खतरा

दुबौलिया। क्षेत्र से होकर गुजरने वाले पौराणिक रामजानकी मार्ग के किनारे वेदपुर-शुकुलपुरा बाजार के सामने रैनकट राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वक्त हादसे की आशंका रहती है। राहगीर रमाशंकर साहू, भोले उपाध्याय, मोनू सिंह, पिंटू सिंह, रामजी शुक्ल और बाबूराम चौरसिया ने बताया कि बारिश के चलते यह गड्ढा और खतरनाक हो गया है। स्थानीय लोगों ने विभाग से जल्द मरम्मत की मांग की है। इस रैनकट के कारण न केवल वाहन चालकों की सुरक्षा खतरे में है, बल्कि राहगीरों और आसपास के बाजार में आने-जाने वाले लोगों के लिए भी यह क्षेत्र भयावह बन गया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि वेदपुर-शुकुलपुरा मार्ग पर रोजमर्रा के यातायात के लिए यह मार्ग महत्वपूर्ण है। प्रशासन से इस खतरे को अन्देखा न करने की अपील की है।

धूमधाम से मनाया गया गौसे आजम का जन्मदिन

नगर बाजार (बस्ती)। नगर बाजार व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गौसे आजम उर्फ बड़े पीर दस्तगीर की यौमे पैदाइश अकीदत व एहतराम के साथ मनाई गई। 11वीं शरीफ के नाम से मशहूर इस पर्व पर दिनभर नजर-ओ-नियाज का सिलसिला चलता रहा और जगह-जगह जलसे आयोजित किए गए। सुबह से ही घरों में गौस पाक की नजर-ओ-नियाज की रस्म शुरू हो गई थी। मस्जिदों में महफिलें सजाई गईं। आलिमों ने गौस पाक की सीरत और अजमत बयान की। उन्होंने लोगों से उनके बताए रास्ते पर चलने की अपील की। जलसे में हाफिज नूर आलम ने कहा कि 11वीं शरीफ सुन्नी मुस्लिम समाज का प्रमुख पर्व है। इसे इस्लाम के महान संत और सूफी विचारधारा के प्रवर्तक हजरत अब्दुल कादिर जीलानी की याद में मनाया जाता है। वे पैगंबर मोहम्मद साहब के वंशज माने जाते हैं और इस्लाम को पुनर्जीवित करने वाले महान संतों में गिने जाते हैं।

बकाया भुगतान के लिए सीएचओ ने सौंपा ज्ञापन

बस्ती। अधिकारियों की लापरवाही से नाराज सीएचओ ने एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स के बैनर तले बकाया भुगतान के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम और सीएमओ को सौंपा। सरकार की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। अध्यक्ष प्रवेश पटेल ने कहा कि जुलाई 2025 से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ। सरकार बार-बार आश्वासन देकर भी स्वास्थ्य कर्मियों को आर्थिक संकट में डाल रही है।

एनजीओ बनाकर जमीन हड़पने का आरोप

रुधौली। तहसील क्षेत्र के तेरता के ग्राम प्रधान राम स्वभाव वर्मा और ग्रामीणों ने शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र दिया कि ग्राम पंचायत पुरवा बड़कुइया में गाट संख्या 516 और 517 माता दुर्गा जी के नाम से सुरक्षित है। यह भूमि सामाजिक आ्योजन के लिए प्रयोग होती रही है। ग्रामीणों ने बताया कि भूमि पर पहले शिव मंदिर और दुर्गा पंडाल का निर्माण कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग एनजीओ बनाकर इस भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। शिकायतकर्ताओं में फुताराम, प्रभावती, सतीश, राम जी, रामसेवक, कृष्ण चंद्र त्रिपाठी, अनीता, यार मोहम्मद, किसलावती, रामसागर, रमेश चंद्र, राममिलन, राम बहल, जय श्री लाल आदि मौजूद रहे।



तलाक की अटकलों के बीच शोएब का नया वीडियो वायरल , कही ऐसी बात की पत्नी सना भी हंस पड़ीं

कराची : सोशल मीडिया पर दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं होने की चर्चा है और ऐसा भी कहा जा रहा है कि मलिक का एक और तलाक हो सकता है। हालांकि, तलाक की अटकलों के बीच एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में शोएब का मजाकिया जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर शोएब मलिक पिछले कुछ समय से अपने खेल के बजाय अपनी निजी जिंदगी और विवादों को लेकर ज्यादा चर्चा में हैं। कभी वह सानिया मिर्जा से तलाक को लेकर तो कभी अपनी तैसरी शादी पर उठते सवालों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। अब एक बार फिर वे सोशल मीडिया पर छाप हुए हैं, लेकिन इस बार वजह एक और तलाक की है। दरअसल, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक और एक्ट्रेस सना जावेद के रिश्ते पर सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं होने की चर्चा है और ऐसा भी कहा जा रहा है कि मलिक का एक और तलाक हो सकता है।

ओबीसी वोट बैंक को साधने में जुटी कांग्रेस, यूपी के मंडलों में होंगे सामाजिक न्याय सम्मेलन

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावी तैयारियों के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी अब पिछड़ा वर्ग



को साधने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी क्रम में पार्टी ने प्रदेश भर के सभी मंडलों में सामाजिक न्याय

सम्मेलन आयोजित करने का फैसला लिया है। इसकी शुरुआत राजधानी लखनऊ से की जाएगी।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता वॉकथॉन,बड़ी संख्या में महिलाओं ने लिया हिस्सा

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी में रविवार को वॉकाथन के जरिए ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। परिवर्तन स्थल से परिवर्तन चौक तक वॉकाथन निकली। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस का उद्देश्य महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना और समय पर जांच व उपचार के महत्व को उजागर करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के प्रमुख सचिव अमित घोष शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अर्ली डिटेक्शन से ही इस बीमारी से बचा जा सकता है। अक्सर लोग शुरुआत में जांच करने से बचते हैं। इसलिए इस चीज की आवश्यकता है कि समय रहते ही हम इसकी जांच और सही तरीके से इलाज करवाएं। जागरूकता और इलाज के माध्यम से हम बहुत सारी मौतों को टाल सकते हैं। आज बहुत सारे संगठन और समाजसेवी हैं जो इस पर अच्छा काम कर रहे हैं और आम जनता में जागरूकता फैल रहे हैं। वॉकाथन के जरिए अर्ली डिटेक्शन सेव्स लाइव्स का संदेश दिया। बताया गया कि समाज में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर संवेदनशीलता बढ़ाना बेहद जरूरी है। वॉकाथन के साथ-साथ विंटेज कार रैली का भी आयोजन किया गया जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और इस अभियान को और प्रभावी बनाया। कार्यक्रम का समापन 1090 चौराहे पर हुआ, जहां प्रतिभागियों ने ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रतिज्ञा ली।

सम्पादकीय

टैरिफवार पर भारी भारत की कूटनीति

अमेरिका और भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही टैरिफ वॉर के बीच भारत ने जो कूटनीति की रणनीति अपनाई उसका असर दिखने लगा है।हूसरी बार सत्ता में लौटने के बाद ट्रंप का रुख पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक रहा है। टैरिफ उनका सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा रहा है। कई बार उन्होंने विरोधियों के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया, जो शायद ही किसी और वैश्विक नेता से सुनी जाती हो। भारत भी उनकी इस आक्रामकता से अछूता नहीं रहा। कभी पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आए, तो कभी भारत के खिलाफ सख्त बयान दिए। लेकिन दिलचस्प यह रहा कि भारत ने ज्यादातर मौकों पर संयमित चुपचा साधी. जब जरूरत हुई, तभी संतुलित जवाब दिया। शायद इसकी वजह है कि ट्रंप सुबह कुछ कहते और शाम को कुछ और, ऐसे में भारत ने हर बार प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं समझी। इसी कूटनीति और संयम के चलते अमरीकी राष्ट्रपति की धमकी को दरकिनार करते हुए भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला जारी रखा। इसका परिणाम यह रहा कि रूस के राष्ट्रपति ने भारत के प्रधानमंत्री की अड़िहाता की कई जगह सार्वजनिक तरीफ की है। गत दिवस रूस के सोची शहर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर हाई टैरिफ वैश्विक क्रोमोंत में वृद्धि करेी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व को ब्याज दरें ऊंची रखने के लिए मजबूर करेेे, जिससे अमेरिकी आर्थिक विकास धीमा हो जाएगा। एक अन्य बयान में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत के खिलाफ अमेरिकी टैरिफ विफल होंगे। यूरोप के उलट, भारत और चीन ऐसे देश हैं जो खुद का समान करते हैं। भारत खुद को कभी अपमानित नहीं होने देगा।पुतिन ने आगे इस बात पर जोर दिया कि रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद सकारात्मक आर्थिक विकास को बनाए रखने का लक्ष्य रखता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नेरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताते हुए कहा कि वह उनके साथ भरोसेमंद संबंधों को लेकर सहज महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए रूस भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीद सकता है। पुतिन ने कहा, भारत से अधिक कृषि उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। औषधीय उत्पादों और फर्मास्यूटिकल्स के लिए हमारी ओर से कुछ कदम उठाए जा सकते हैं।फ़हो नही दिसम्बर में उनके भारत आने तथा भारत हित में कई बड़ेफैसले लेने से अमरीकी राष्ट्रपति को मिर्ची लगनी तव है। अमेरिका ने जब अपनी शुल्क नीति की घोषणा की, तो उसका मकसद जितना अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करना था, उससे ज्यादा इसे प्रभावित होने वाले देशों पर दबाव बनाने के तौर पर देखा गया। सवाल है कि क्या अमेरिका की ओर से पहले पच्चीस और फिर पचास फीसद तकशुल्क लगाने की घोषणा का कारण यह था कि व्यापार वार्ता में भारत को अपनी शर्तों पर सहमत किया जाए ? यह बेवजह नहीं है कि भारत ने अमेरिका के इस रवैये के सामने समर्पण करने के बजाय सख्त विरुद्ध चुना और अब इसके नतीजे सामने आने लगे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी सरकार को निर्देश दिया कि वह कच्चे तेल के भारी आयात की वजह से भारत के साथ व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए तत्काल उपाय करें। अमल के स्तर पर यह फैसला भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाओं की खरीद के स्तर पर सामने आ सकता है। अमेरिका ने न केवल शुल्क नीति की घोषणा की, बल्कि भारत पर दबाव बढ़ाने की मंशा से रूस से तेल आयात करने पर जुमार्ना लगाने की भी बात कही। इसका आशय साफ था कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे। यह भारत के लिए एक धमकी से कम नहीं था। आज बहुधुवीय होते विश्व में इस तरह भारत जैसे एक संघेय और वैश्विक साख वाले देश को अपनी शर्तों पर संचालित और पाना संभव नहीं हो सकता। यह विचित्र है कि अमेरिका ने इस मसले पर सहयोग और साझेदारी को केंद्र में रख कर नए विकल्प निकालने, द्विपक्षीय हित और सम्मान आधारित आर्थिक संबंध पर विचार करने का रास्ता अख्तियार न करके, दबाव की रणनीति का सहारा लिया।बाद करे कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के संदर्भ में अमेरिका और नाटो देशों की ओर से रूस को अलग-थलग करने के लिए जो रणनीति अपनाई जा रही थी, भारत ने प्रकारांतर से उसमें शामिल होने या किसी के सामने झुकने से इनकार कर दिया और रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखा। तेजो से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अमेरिका के हर फैसले को मानने के बजाय भारत के लिए अपने हित को प्राथमिकता देना ज्यादा जरूरी है।ज़ाहिर है, भारत की यह दृढ़ता रूस की नजर में महत्वपूर्ण होगी और इसीलिए उसने व्यापार संतुलन कायम करने की पृष्ठभूमि में द्विपक्षीय संबंधों को नए सिरे से आकार देने की ओर कदम बढ़ाया है। भारत और रूस के बीच मित्रतापूर्ण संबंधों का एक लंबा दौर रहा है। विकट स्थितियों में भी दोनों देशों के बीच कभी कोई समस्या या तनावपूर्ण स्थिति नहीं आई, जिसमें किसी पक्ष के भीतर संबंधों को लेकर कोई दुविधा हुई हो। बल्कि कूटनीतिक से लेकर सांस्कृतिक या आर्थिक मोर्चों पर दोनों देशों ने एक-दूसरे की प्राथमिकताओं, जरूरत पर आधारित नीतिगत फैसलों की संवेदनशीलता का हमेशा ध्यान रखा और अपनी सीमा के भीतर हर स्तर पर सहयोग किया।

वैश्विक कूटनीति का चातुर्य काल, मोदी डॉक्ट्रिन से मजबूत हुआ भारत

भारत की संप्रभुता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है। कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

डा. अंबेडकर और साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद एवं पूंजीवाद से मुक्ति संघर्ष

सिद्धार्थ रामू
डॉ. आंबेडकर का स्वतंत्रता संग्राम बहुत व्यापक और गहरा था, वह साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद तीनों के खिलाफ था- कुछ धाराएं सिर्फ साम्राज्यवाद को दुश्मन मान रही थीं, कुछ पूंजीवाद को दुश्मन मार रहे थे, कुछ सामंतवाद को दुश्मन कह रहे, लेकिन इनमें से कोई भारत की बहुसंख्यक आबादी पिछड़ों-दलितों के मुख्य दुश्मन ब्राह्मणवाद का नाम नहीं ले रहा था। एक अकेले डॉ. आंबेडकर थे, जो साम्राज्यवाद, पूंजीवाद और ब्राह्मण तीनों के खात्मे को सभी भारतीयों की स्वतंत्रता की अनिवार्य शर्त मान रहे थे-संदर्भ सावरकर और स्वतंत्रता आंदोलन पर लिखा है कि वर्तमान बहस इतिहासकार गेल ओमवेट ने चला है कि आंबेडकर का बुनियादी संघर्ष एक अलग स्वतंत्रता का संघर्ष था। यह संघर्ष भारत के सर्वाधिक संतप्त वर्ग को मुक्ति का संघर्ष था। उनका स्वाधीनता संग्राम उपनिवेशवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे स्वाधीनता संग्राम से वृहद और गहरा था। उनकी नजर नवराष्ट्र के निर्माण पर थी।हू (स्रोत- आंबेडकर प्रबुद्ध भारत की ओर, पृ.149, गेल ओमवेट) क्यों गेल ओमवेट आंबेडकर के स्वतंत्रता संघर्ष को उपनिवेशवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे स्वतंत्रता संघर्ष से वृहद और गहरा कह रही हैं। क्योंकि गांधी के नेतृत्व में चल रहे उपनिवेशवाद (ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता) संघर्ष के निशाने पर एकमात्र ब्रिटिश सत्ता थी। जिसका मुख्य लक्ष्य अंग्रेजों से राजनीतिक सत्ता हासिल करना था। जबकि आंबेडकर के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता संघर्ष के निशाने पर भारत के देशी शोषक-उत्पीड़क थे। जिसे उन्होंने ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद के रूप में चिन्हित किया। ऐसा नहीं कि आंबेडकर उपनिवेशवाद को भारतीय जनता के शोषक-उत्पीड़क के रूप में नहीं देखते थे और उससे मुक्ति की जरूरत नहीं समझते थे। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा है कि मेरे मतानुसार ब्रिटिश सत्ता तथा ब्राह्मणी सत्ता हिंदू जनता के शरीर पर लगी दो जोंक हैं, तथा ये बिना रूके भारतीय जनता का खून पी रही हैं।हू(बहिष्कृत भारत की संपादकीय, सप्तमक प्रकाशन पृ.33)। लेकिन वे ब्राह्मणवाद को साम्राज्यवाद (उपनिवेशवाद) से कम बुरा नहीं मानते थे, बल्कि उससे हजार गुना ज्यादा बुरा मानते थे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि, ब्राह्मणवाद साम्राज्यवाद से हजार गुना बुरा है। (बाबा साहेब डॉ.

आंबेडकर, संपूर्ण वांग्मय, खंड-39, पृ.32) उन्होंने भारत के मेहनतकशों (श्रमिकों) के दो दुश्मन चिन्हित किए- ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद। डॉ. आंबेडकर ने जीआईपी दलित वर्ग कामगार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी मान्यतानुसार इस देश में कामगारों को दो शत्रुओं का मुकाबला करना होगा। वे दो शत्रु हैं- ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद। ((टर्डीमइ क्त.।डउमकांत'तपजपदहे'दक'चैममबोमे, टवसनउम दनउडमत 17, चंतज 3, चंहम दव.177 (बॅचजमत दनउडमत 44) . म्दहसपी मकपजपवद.) साफ है वे भारत के मेहनतकशों की स्वतंत्रता ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद से मुक्ति में देखते थे।



आंबेडकर ब्रिटिश सत्ता रूपी जोंक और ब्राह्मणी सत्ता रूपी जोक दोनों से मुक्ति चाहते थे। वे दोनों के खिलाफ एक साथ संघर्ष चलाने के हिमायती थे। उन्होंने काग्रेस के सामने यह प्रस्ताव भी रखा था कि यदि वह ब्राह्मणवाद विरोधी उनके संघर्ष को अपने एजेंडे में शामिल कर ले, तो वे काग्रेस के साथ मिलकर स्वतंत्रता के संघर्ष में हिस्सेदारी करेंगे। काग्रेस ने उनके इस प्रस्ताव को न स्वीकार किया और न ही कोई जवाब दिया। आंबेडकर भारतीयों की बहुसंख्यक आबादी की स्वतंत्रता की तीन अनिवार्य शर्तें मानते थे। एक ब्रिटिश साम्राज्यवाद से मुक्ति, दूसरी ब्राह्मणवाद से

धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत नहीं बल्कि नैतिक आस्था,लोकतंत्र का आधार स्तंभ

संजीव ठाकुर
धर्मनिरपेक्षता भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील आधारशिला है। यह केवल संविधान की पंक्तियों में लिखा गया शब्द भर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जीवन का प्राणतत्व है। भारतीय राजनीति की आत्मा इसी से पोषित होती है। परंतु दुखद है कि आज धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कई बार केवल संवैधानिक औपचारिकताओं तक सीमित रह जाती है। मणिपुर और उत्तर प्रदेश जैसे प्रदेशों में साम्प्रदायिक झगड़ों की घटनाओं ने इस सिद्धांत की आत्मा को गहरी चोट पहुँचाई है और इसके संवैधानिक अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ किसी धर्म से विद्वेष रखना नहीं है, बल्कि सभी धर्मों का समान सम्मान करना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इसे सर्वधर्म समभावह्म कहा गया है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य है द् राज्य और धर्म का परस्पर हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्ति और उसके अधिकारों को सर्वोच्च मान्यता देना। वहीं भारतीय संदर्भ में यह और अधिक व्यापक हैकृयह न केवल धर्म और राजनीति

मुक्ति और तीसरी पूंजीवाद से मुक्ति।वे पूरे देश के लिए स्वतंत्रता के लिए साम्राज्यवाद से मुक्ति अनिवार्य मानते थे।

लेकिन साम्राज्यवाद के मुक्ति से ब्राह्मणवाद के चंगुल में पिस रहे लोगों को अनिवार्य और अपरिहार्य तौर पर मुक्ति मिल जाएगी, ऐसा नहीं सोचते थे।इससे उलट उन्हें इस बात की न सिर्फ आशंका थी, बल्कि विश्वास था कि साम्राज्यवाद से मुक्ति के बाद राजनीतिक सत्ता भी उन लोगों के हाथ में चली जाएगी, जो ब्राह्मणवादी शक्तियां हैं। जिनके पास पहले से ही सामाजिक सत्ता है।इसको वे बहुसंख्यक भारतीय समाज विशेषकर दलितों और

महिलाओं के लिए आपदा की तरह देखते थे, क्योंकि ऐतिहासिक तौर पर दलित और महिलाएँ ब्राह्मणवादी शक्तियों की दासता और शोषण-उत्पीड़न का सबसे अधिक शिकार रही हैं। आंबेडकर का साफ मानना था कि ब्राह्मणवाद से मुक्ति के बिना दलित और महिलाएँ स्वतंत्रता की कल्पना भी नहीं कर सकती हैं। उनकी स्वतंत्रता का मुद्दा ब्राह्मणवाद से मुक्ति से जुड़ा हुआ है। साम्राज्यवाद से मुक्ति और ब्राह्मणवाद से मुक्ति से मेहनतकशों को भी मुक्ति मिल जाएगी, उन्हें भी स्वतंत्रता मिल जाएगी, आंबेडकर ऐसा नहीं सोचते थे। उनकी साफ समझ थी कि भारत के मेहनतकशों (कामगारों) को ब्राह्मणवाद से मुक्ति के साथ ही पूंजीवाद से भी मुक्ति हासिल करनी होगी, तभी उन्हें वास्तविक स्वतंत्रता मिल पाएगी। आंबेडकर के पूरे लेखन और संघर्ष को देखकर साफ लगता है कि वह साम्राज्यवाद और ब्राह्मणवाद से मुक्ति के सवाल को एक जनवादी कार्यभार के रूप में देखते थे, भले ही इस रूप में उन्होंने इसे सूत्रबद्ध न किया हो। इन दोनों

कार्यभारों को काफी हद तक पूंजीवादी दायरे में भी पूरा किया जा सकता है। लेकिन कामगारों को मुक्ति और स्वतंत्रता पूरी तरह तभी मिल सकती है, जब उन्हें ब्राह्मणवाद के साथ पूंजीवाद से भी मुक्ति मिले। तय है पूंजीवाद से मुक्ति और स्वतंत्रता समाजवाद की ओर ले जाती है। शायद यही वजह है कि आंबेडकर बार-बार समाजवाद की बातें करते दिखते हैं। हालांकि वे समाजवाद की परिकल्पना एक लोकतांत्रिक समाजवाद की रूप में करते हैं।उसे राजकीय समाजवाद कहते हैं।संविधान सभा में नेहरू द्वारा प्रस्तुत संविधान की उद्देशिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि उद्देशिका में जिस आर्थिक न्याय और सामाजिक न्याय आदि की बातें की गई हैं, आखिर उन्हें हासिल कैसे किया जाएगा। इसका जवाब देते हुए उन्होंने स्वयं ही कहा कि यह सब समाजवाद के बिना हासिल नहीं किया जा सकता है। यहां तक वे संविधान का अंतिम ड्राफ्ट प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि राजनीतिक समता को सामाजिक और आर्थिक समता कायम किए बिना ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रखा जा सकता है। संविधान सभा में शामिल होने से पहले वे खुद जो संविधान (स्टेटस एंड मॉडिनरटीज) तैयार करते हैं, उसमें भारत में राजकीय समाजवाद कायम करने का प्रावधान करते हैं। स्पष्ट है कि आंबेडकर आजादी से पहले भारत की जनता के तीन दुश्मन देखते हैं- साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद। वे अपने लेखन में बार-बार रेखांकित करते हैं कि ब्राह्मणवादी शक्तियां सिर्फ और सिर्फ साम्राज्यवाद के मुक्ति चाहती हैं। लेकिन वे अपने ब्राह्मणवादी वर्चस्व को छोड़ने के लिए तैयार नहीं, ब्राह्मणवाद विरोधी संघर्ष में उनकी कोई रुचि नहीं है, बल्कि वे उसके खिलाफ हैं। आंबेडकर यहीं नहीं रुकते वे इससे भी आगे बढ़ते हैं, वे मेहनतकशों के लिए भी स्वतंत्रता हासिल करना चाहते हैं, इसके लिए पूंजीवाद से मुक्ति भी अनिवार्य मानते हैं। आंबेडकर स्वतंत्रता के अपने संघर्ष के दायरे में सबको शामिल करते हैं। वे सिर्फ साम्राज्यवाद की गुलामी के शिकार लोगों के लिए स्वतंत्रता नहीं चाहते हैं। वे ब्राह्मणवाद की गुलामी के शिकार लोगों के लिए स्वतंत्रता चाहते हैं, इतना ही नहीं वे पूंजीवाद की गुलामी में पिस रहे लोगों के लिए भी स्वतंत्रता चाहते हैं। उनके स्वतंत्रता संग्राम का दायरा गांधी और काग्रेस के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता संग्राम से बहुत ज्यादा वृहद और गहरा था, जो साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद और पूंजीवाद के खात्मे तक जाता है।

है।आज भारत विकास की सीढ़ियाँ चढ़कर एक वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। ऐसे समय में हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम धर्मनिरपेक्षता की इस स्वस्थ परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखें। लोकतांत्रिक दलों, मीडिया, न्यायपालिका, कार्यपालिका और आम नागरिककृसभी को यह संकल्प लेना होगा कि वे इसे केवल नारों और चुनावी मुद्दों तक सीमित न रखें। क्योंकि जब-जब राजनीति ने धर्मनिरपेक्षता को अपने स्वार्थ के लिए हथियार बनाया, समाज का संतुलन बिगड़ा और आम जनता को उसका खामियाजा भुगतना पड़ा।भारतीय धर्मनिरपेक्षता हमें तर्क, विवेक और स्वतंत्रता की संस्कृति देती है। यह न केवल वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करती है, बल्कि हर नागरिक को आत्मसम्मान और समान अवसर का आश्वासन भी देती है। इस दृष्टि से धर्मनिरपेक्षता भारतीय लोकतंत्र की आत्मा हैकृजो विविधता को एकता में रूपांतरित कर, भारत को विश्व के लिए आदर्श प्रतिमान बना सकती है।आज आवश्यकता है कि इस शाश्वत सिद्धांत को केवल संविधान की पंक्तियों तक सीमित न रखकर, जीवन की प्रत्येक धारा में उतारा जाए। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और भारत का धर्मनिरपेक्ष स्वरूप विश्व मंच पर प्रकाश स्तंभ की भांति जगमगाएगा।

कफ सिरप से बच्चों की मौत की खबरें चिंताजनक, दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी रखना सबसे बड़ी जरूरत

राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमैथॉर्फन-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट। मध्य प्रदेश और राजस्थान से बच्चों की मौतों की जो खबरें आईं, उन्होंने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। महज खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारी के लिए दी जाने वाली खांसी की दवा, बच्चों के जीवन पर इतनी घातक साबित होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। पिछले एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले में 9 बच्चों की मौत और राजस्थान के विभिन्न जिलों में 3 बच्चों की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था, दवा नियमन और प्रशासनिक सतर्कता, तीनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने साफ किया है कि मध्य प्रदेश से लिए गए 19 सैम्पल्स में से 9 की जांच रिपोर्ट में डायलैथलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल जैसी जानलेवा रसायनों की मौजूदगी नहीं पाई गई है। हम आपको बता दें कि यह वही तत्व है जिन्होंने 2019 में जम्मू और 2022-23 में गाम्बिया व उज्बेकिस्तान जैसे देशों में भारतीय दवाओं को लेकर वैश्विक स्तर पर विवाद ख हम आपको बता दें कि छिंदवाड़ा के पारासिया और आसपास के गांवों में अमरत के अंत से बच्चों में सदी-खांसी और हल्का बुखार देखा गया। डॉक्टरों ने उन्हें साधारण खांसी की सिरप और दवाएं दीं। लेकिन कुछ ही दिनों में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, पेशाब कम होना, शरीर में सूजन और किडनी से जुड़ी जटिलताएं बढ़ने लगीं। नतीजतन, नौ मामलों की जांच चली गई और पांच बच्चे नानुपुर में विशेष इलाज के लिए भेटी हैं।राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमैथॉर्फन-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट। इनमें तीन बच्चों की मौत भी हो चुकी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने भले ही इन मौतों को सीधे दवा से जोड़ने से इंकार किया हो, लेकिन तत्काल प्रभाव से संबंधित कंपनियों की दवाओं की आपूर्ति रोक दी है।जयपुर स्थित डॅट्रॅलॅर ढैंॅ की 19 दवाओं पर गेक इसीलिए लगाई गई क्योंकि कंपनी की दवा गुणवत्ता का रिकॉर्ड पहले से संदिग्ध रहा है। कंपनी के 10,119 सैम्पल्स में से 42 घंटिया पाए गए थे। देखा जाये तो भारत दुनिया का फर्मेसी हब कहलाता है, लेकिन समय-समय पर घटिया दवाओं के मामले हमारी छवि को धूमिल करते हैं। सवाल यह है कि जब दवा कंपनियों के खिलाफ पहले से संदिग्ध रिपोर्ट थीं, तो उन्हें सरकारी योजनाओं में शामिल क्यों किया गया ? साथ ही विशेषज्ञ लगातार कहते आए हैं कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में अक्सर बिना उचित परामर्श के इन्हें दिया जाता है। यही लापरवाही जानलेवा बनती है।





भारतीय महिला खिलाड़ियों ने भी बरकरार रखी नो हैंडशेक नीति, हरमनप्रीत ने फातिमा को किया नजर अंदाज

कोलंबो : भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में विश्व कप का मैच खेला जा रहा है। इस दौरान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाए। महिला वनडे विश्व कप के मुकाबले के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ियों ने भी पाकिस्तान के खिलाफ नो हैंडशेक नीति बरकरार रखी है। भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में विश्व कप का मैच खेला जा रहा है। इस दौरान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाए। पाकिस्तान ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया है। हरमनप्रीत ने फातिमा से नहीं मिलाए हाथ दोनों देशों के बीच रिश्ते पिछले कुछ महीनों से काफी तनावपूर्ण चल रहे हैं, ऐसे में इसका प्रभाव मैदान पर भी दिख रहा है। हाल ही में पुरुष एशिया कप के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच तीन बार मुकाबला हुआ और तीनों ही मैचों में विवाद देखने मिला।

भाईजान इब्राहिम संग पहली बार रैंप पर उतरीं सारा अली खान, भाई-बहन की केमिस्ट्री ने जीता सबका दिल

दूसरी बार पिता बने अरबाज खान, बीवी शूरा ने दिया बेटी को जन्म



बॉलीवुड के स्टार भाई-बहन सारा अली खान और इब्राहिम अली खान की बॉन्डिंग किसी से छिपी नहीं है। दोनों अक्सर साथ में वक्त बिताते हैं और अपनी

प्यारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं।

हाल ही में दोनों ने पहली बार साथ में रैंप वॉक कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच

लिया। सारा और इब्राहिम ने मशहूर डिजाइनर अभिनव मिश्रा के नए कलेक्शन के लिए रैंप वॉक किया। डिजाइनर ने इस मौके पर अपनी नई शाही ड्रेस लाइन लॉन्च की, जिसमें

भाई-बहन की जोड़ी ने ग्लैमर और मस्ती दोनों का तड़का लगाया। रैंप शो के दौरान इब्राहिम अली खान ने कतान सिल्क से बनी एक शानदार शेरवानी पहने नजर आए। इस पोशाक पर शीशे का बारीक काम और सुनहरी जरी-रेशम की खूबसूरत कढ़ाई की गई थी।

उनकी ड्रेस में एक शाही अंदाज झलक रहा था, जिससे वह किसी राजकुमार से कम नहीं लग रहे थे। वहीं सारा अली खान ने रैंप पर एक रॉयल एथनिक ड्रेस पहनी, जिस पर हाथ से की गई जरी और रेशम की कढ़ाई ने इसे बेहद खास बना दिया।

ड्रेस में लगे झिलमिलाते क्रिस्टल और शीशे के वर्क ने उनके लुक को और भी निखार दिया। उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास ने शो में चार चांद लगा दिए। दिल्ली के छतरपुर स्थित संस्कृति ग्रीन्स

में शनिवार, 4 अक्टूबर को हुए इस फैशन शो में पहली बार सारा और इब्राहिम ने साथ में रैंप वॉक किया, जहां दोनों की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

वहां मौजूद लोगों ने भाई-बहन की जोड़ी की तारीफ करते हुए जमकर तालियां बजाईं। सारा अली खान को हाल ही में फिल्म मेट्रो इन दिनों में देखा गया था, जिसमें उनके साथ आदित्य रॉय कपूर, फातिमा सना शेख, अली फजल और अनुपम खेर जैसे सितारे नजर आए थे।

अब सारा जल्द ही अपनी अगली फिल्म पति, पत्नी और वो दो में दिखाई देंगी। वहीं इब्राहिम अली खान ने हाल ही में अपनी डेब्यू फिल्म सरजमीं से बॉलीवुड में कदम रखा है।

इस फिल्म में उनके साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आए थे। अब इसके बाद इब्राहिम अपनी अगली फिल्म दिलेर की तैयारी में जुटे हुए हैं।



बॉलीवुड के फेमस खानदान सलमान खान की फैमिली से एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर अरबाज खान दूसरी बार पिता बन गए हैं। उनकी दूसरी पत्नी शूरा खान ने एक प्यारी सी बच्ची को जन्म दिया है। अरबाज खान ने अपनी दूसरी शादी शूरा खान से दिसंबर 2023 में की थी। यह शादी एक निजी समारोह में हुई थी और इसमें खान परिवार के कुछ करीबी दोस्त और सदस्य शामिल हुए थे। अरबाज खान की पहली पत्नी मलाइका अरोड़ा थीं, जिनसे उनका 2017 में तलाक हो गया था। शूरा खान एक प्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट हैं। उनकी मुलाकात अरबाज खान से फिल्म पटना शुक्ला के सेट पर हुई थी, जहाँ अरबाज निमाता थे और शूरा मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर काम करती थीं।

ट्रिप से ठीक पहले अर्चना पूरन सिंह की होने वाली बहू के साथ बड़ा हादसा, बेटे आर्यमान ने दलेरी से यूं बचाई अपनी मंगेतर की जान



मशहूर एक्ट्रेस और कॉमेडियन अर्चना पूरन सिंह इन दिनों अपने परिवार के साथ एक रोमांचक ट्रिप पर निकली हैं। इस ट्रिप में उनके बेटे आर्यमान, छोटा बेटा आयुष्मान और आर्यमान की मंगेतर योगिता बिहानी भी शामिल थीं, लेकिन सफर शुरू होने से ठीक पहले एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यात्रा शुरू होने से पहले योगिता बिहानी बादम खा रही थीं। इसी दौरान एक बादम का

टुकड़ा उनके गले में फंस गया, जिससे उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी। देखते ही देखते योगिता चोक हो गईं और उनका दम घुटने लगा। जैसे ही योगिता को सांस लेने में तकलीफ हुई, आर्यमान और उनके भाई आयुष्मान तुरंत उनके पास दौड़े। आर्यमान ने घबराए बिना योगिता की मदद करने की कोशिश की और उन पर हाइमलिक प्रक्रिया अपनाई। यह एक ऐसी तकनीक होती है जिसमें

किसी के गले में कुछ फंस जाने पर उसके पेट के ऊपर दबाव बनाकर फंसा हुआ टुकड़ा बाहर निकालने की कोशिश की जाती है। काफी कोशिशों के बाद आखिरकार योगिता के गले में फंसा बादम का टुकड़ा बाहर निकल गया। हालांकि उस दौरान वह लगातार खांसी रही और पूरी घटना ने सबको हिला दिया। घटना के कुछ मिनट बाद जब सब संभल गए और परिवार कार में बैठकर लोनावला की ओर रवाना हुआ, तो आर्यमान ने अपनी मीमर से कहा, योगिता, तुमने मुझे बहुत डरा दिया। ये बहुत ज्यादा था। इस हादसे के बाद अर्चना पूरन सिंह ने परिवार के लिए एक नया नियम बना दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा- अब से योगिता के लिए एक नया रूल है। जब भी वो कुछ खाएंगी, परिवार का कोई न कोई सदस्य उनके पास जरूर रहेगा। अर्चना ने बताया कि जब ये सब हुआ, वह और बाकी लोग पहले ही कार में बैठ चुके थे। उन्होंने घर के नौकर मुकेश से पूछा, इतना समय क्यों लग रहा है? तो उसने जवाब दिया, मैडम बादम खा रही हैं। लेकिन उसने यह नहीं बताया कि योगिता को गले में कुछ फंस गया है। अच्छी बात यह रही कि आर्यमान की सूझबूझ से समय पर योगिता की जान बच गई और अब वह पूरी तरह ठीक हैं। इसके बाद पूरा परिवार मुस्कुराते हुए अपनी ट्रिप पर निकल पड़ा।

अनीता हसनंदानी बनी छोरियां चली गांव की विजेता, गांव में धूमधाम से जश्न मनाया गया

रियलिटी शो छोरियां चली गांव का अंत हो चुका है और इस बार की टूर्नामेंट अनीता हसनंदानी के नाम रही। 2 महीने तक चले इस अनोखे शो में सितारों ने गांव की ज़िंदगी को करीब से समझा और वहां के लोगों के साथ वक्त बिताया। शो के ग्रैंड फिनाले में ढोल-ताशे की गड़गड़ाहट के बीच अनीता की जीत का ऐलान किया गया, जिससे पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। छोरियां चली गांव में फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। आखिरी दौर तक अनीता हसनंदानी और कृष्णा श्रॉफ के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। कृष्णा श्रॉफ फर्स्ट रनरअप रहीं। शो की मेजबानी रणविजय सिंह ने की। इस रियलिटी शो में प्रतिभागियों को गांव की पारंपरिक ज़िंदगी के हर पहलू से रूबरू होना पड़ा व चाहे वह गाय का दूध निकालना हो या खाने के लिए कुएं से पानी लाना। अनीता ने अपने आत्मविश्वास, मेहनत और सूझ-बूझ से गांववालों का दिल जीत लिया और टूर्नामेंट अपने नाम की। फिनाले में टॉप 5 कंटेस्टेंट्स ने शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान डॉली जावेद की बहन उर्फी जावेद और कृष्णा श्रॉफ के बॉयफ्रेंड अजीम भी नजर आए। अनीता ने अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, जब मैंने इस शो के लिए हामी भरी तो मुझे पता था कि यह मेरा कम्फर्ट जोन तोड़ने वाला अनुभव होगा। लेकिन मुझे यकीन नहीं था कि मैं इतना कुछ सीख पाऊंगी और खुद को इतना बेहतर बना पाऊंगी। यह जीत सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि मेरे परिवार की भी है।

यह शो खास इसलिए था क्योंकि इसमें शहरी जीवन से दूर, सेलेब्रिटीज को गांव के कठिन संघर्षों से रूबरू कराया गया। इस दौरान उन्होंने गांववालों के साथ जुड़ाव बनाया और उनकी समस्याओं को समझा। कई कंटेस्टेंट्स ने इस दौरान गांव की समस्याओं को उजागर करते हुए मदद भी की, जो शो की सबसे बड़ी खासियत बनी।

51 की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा का फिगर देख दंग रह जाएंगे, शेयर किए फिटनेस के 6 योग राज!



बॉलीवुड की फिटनेस आइकन मलाइका अरोड़ा ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि उम्र फिटनेस के सामने मायने नहीं रखती। 51 साल की उम्र में भी उनकी टोंड बाँड़ी, एनर्जी और लचीलापन युवा अभिनेत्रियों को भी मात देता है। मलाइका ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर छह योग पोज शेयर करते हुए अपने

फैंस को हेलदी लाइफस्टाइल और फिटनेस का मंत्र बताया। मलाइका अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर 6 योग आसनों वीडियो की एक सीरीज शेयर की है। उन्होंने लिखा, 6 जेंटल योगा पोज, जिसे करने पर आपका शरीर आपको धन्यवाद देगा। ये योगासन न केवल शारीरिक लचीलापन बढ़ाते हैं,

बल्कि मानसिक शांति और हेलदी जीवन के लिए भी फायदेमंद हैं। मलाइका न केवल योग को प्राथमिकता देती हैं, बल्कि हेलदी डाइट और प्रॉपर स्लीप को भी फिटनेस का अहम हिस्सा मानती हैं। वह अक्सर अपनी डेली रूटीन और हेल्थ टिप्स सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं, जिससे उनके लाखों फैंस प्रेरित होते हैं। फिटनेस सिर्फ लुक्स के लिए

नहीं, बल्कि आत्मा की मजबूती के लिए जरूरी है। 51 की उम्र में भी मलाइका अरोड़ा न केवल युवा पीढ़ी, बल्कि सभी महिलाओं के लिए एक रोल मॉडल बन चुकी हैं। उनका मानना है कि खुद से प्यार करना और अपने शरीर को समझना, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कुंजी है।



सामंथा रुथ प्रभु ने छात्रों को दी खास सलाह, वीडियो शेयर कर स्टूडेंट लाइफ को किया याद

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने छात्रों को तनाव से निपटने के लिए कुछ आसान सलाह दी। उन्होंने वीडियो शेयर कर बताया कि कैसे उन्होंने स्कूल के दिनों में सहानुभूति, दया और अच्छा इंसान बनना सीखा। साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने आज सोशल मीडिया हैटल पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने अपनी स्टूडेंट लाइफ को लेकर आज के छात्रों को खास सलाह दी और बताया कि उन्होंने आखिर एक छात्र के रूप में क्या कुछ सीखा और यह सबकुछ उनके लिए क्या मायने रखता है। सामंथा का पोस्ट रविवार को सामंथा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने प्रशंसकों के साथ एक खास वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में सामंथा ने कहा, 'मेरे स्कूल के दिनों की बहुत सारी यादें हैं', लेकिन आजकल के छात्रों का तनाव सुनकर दुख होता है। मुझे लगता है कि अच्छे नंबर सब कुछ नहीं हैं। स्कूल में सबसे

अच्छी चीज दोस्ती, दूसरों का सम्मान और दया सीखा था।' सामंथा ने आगे कहा, 'मैंने स्कूल में किताबी बातें भूल गईं, लेकिन ये गुण आज भी मेरे काम आते हैं। ये जीवन के लिए सबसे जरूरी हैं।' फिर सामंथा ने 2023 की एनसीआरबी रिपोर्ट शेयर की, जिसमें बताया गया कि महाराष्ट्र में छात्रों की आत्महत्याओं के सबसे ज्यादा मामले हुए। उन्होंने इस पर दिल टूटने वाली इमोजी लगाई। सामंथा का वर्कफ्रंट सामंथा रुथ प्रभु नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' (फं ३ इश्ल्ला) और तेलुगु फिल्म 'मां ईति बंगाराम' में नजर आएंगी। वह वेब सीरीज 'सिताडेल: हनी बनी' के सीजन 2 में भी नजर आएंगी। वह 'द फैमिली मैन' और 'सिताडेल: हनी बनी' के निर्देशक राज और डीके के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। 'रक्त ब्रह्मांड' में सामंथा के अलावा आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, और वामिका गब्बी जैसे कलाकारों नजर आएंगे।



नागपुर: विदर्भ ने पहली पारी में 128 रनों की बढ़त हासिल की। विदर्भ ने फिर दूसरी पारी में 232 रन बनाए और शेष भारत को 361 रनों का लक्ष्य दिया। हालांकि, शेष भारत की टीम दूसरी पारी में 267 रन पर ऑलआउट हो गई। हर्ष दुबे की शानदार गेंदबाजी की मदद से रणजी चैंपियन विदर्भ ने शेष भारत को 93 रनों से हराकर ईरान कप का खिताब अपने नाम कर लिया। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 342 रन बनाए और शेष भारत की पहली पारी 214 रन पर ऑलआउट कर दी। इस तरह विदर्भ ने पहली पारी में 128 रनों की बढ़त हासिल की। विदर्भ ने फिर दूसरी पारी में 232 रन बनाए और शेष भारत को 361 रनों का लक्ष्य दिया। हालांकि, शेष भारत की टीम दूसरी पारी में 267 रन पर ऑलआउट हो गई और उसे हार का सामना करना पड़ा।

टैरिफ, राष्ट्रपति की शक्तियां व नागरिकता, सुप्रीम कोर्ट के नए कार्यकाल में इन मामलों पर आना है फैसला



नई दिल्ली : अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट का एक महत्वपूर्ण कार्यकाल सोमवार से शुरू हो रहा है। इस कार्यकाल में राष्ट्रपति की शक्तियों के परीक्षण के साथ-साथ मतदान और एलजीबीटीक्यू लोगों के अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर सुनवाई होगी। आइए इस विषय के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट का एक महत्वपूर्ण कार्यकाल सोमवार से शुरू हो रहा है। इस कार्यकाल में राष्ट्रपति की

शक्तियों के परीक्षण के साथ-साथ मतदान और एलजीबीटीक्यू लोगों के अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर सुनवाई होगी। आइए इस विषय के बारे में विस्तार से जानते हैं।

की अनुमति दी थी। जैक्सन ने लिखा, यह कैल्विनबॉल न्यायशास्त्र का एक अનોखा पहलू है। कैल्विनबॉल का सिर्फ एक ही नियम है। कोई निश्चित नियम नहीं हैं। हमारे पास दो नियम हैं: पहला, और दूसरा, यह प्रशासन हमेशा जीतता है। कंजर्वेटिव न्यायाधीश ट्रंप की कुछ नीतियों की गहन जांच करते समय अधिक संशयी हो सकते हैं। इनमें राष्ट्रपति की ओर से टैरिफ लगाना और जनजात नागरिकता पर उनके वांछित प्रतिबंध शामिल हैं। जॉर्जटाउन

विश्वविद्यालय के विधि विद्यालय में सुप्रीम कोर्ट संस्थान के कार्यकारी निदेशक इरव गोर्नस्टीन के अनुसार यदि अदालत में रूढ़िवादी-उदारवादी विभाजन जारी रहता है तो हम अब तक के सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाला दौर देखेंगे। न्यायाधीश अगले 10 महीनों में ट्रंप के कुछ सबसे विवादास्पद प्रयासों पर फैसला सुनाएंगे। राष्ट्रपति की शक्तियों पर तीन प्रमुख मामले विचाराधीन हैं नवंबर की शुरुआत में न्यायाधीश ट्रंप के आर्थिक एजेंडे से जुड़े एक अहम मामले की सुनवाई कर रहे हैं। यहां वे कई तरह के व्यापक टैरिफ की वैधता पर विचार कर रहे हैं। दो निचली अदालतों ने पाया है कि रिपब्लिकन राष्ट्रपति के पास आपातकालीन शक्तियों वाले कानून के तहत एकतरफा व्यापक टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है। रण्यों और छोटे व्यवसायों का तर्क है कि ट्रंप राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करके और उनसे निपटने के लिए टैरिफ का उपयोग करके कांग्रेस की करायान शक्तियों को नहीं हड़प सकते। हालांकि, प्रशासन का कहना है कि यह कानून राष्ट्रपति को आयात को विनियमित करने का अधिकार देता है, और इसमें

टैरिफ जैसे शुल्क भी शामिल हैं। वाशिंगटन स्थित एक संघीय अपील अदालत के चार असहमत न्यायाधीशों ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए उच्च न्यायालय में संभावित कानूनी रास्ता तैयार किया। दिसंबर में, न्यायाधीश स्वतंत्र एजेंसियों के सदस्यों को अपनी इच्छानुसार बर्खास्त करने के ट्रंप के अधिकार पर विचार करेंगे। यह एक ऐसा मामला है जो संभवतः अदालत को 90 साल पुराने फैसले को पलटने या उसे पूरी तरह से सीमित करने के लिए प्रेरित करेगा। इसके लिए राष्ट्रपति की सीनेट की ओर से अनुमोदित अधिकारियों को उनके पदों से हटाने से पहले कर्तव्य की उपेक्षा जैसे किसी कारण की आवश्यकता होती थी। इस मामले में भी नतीजों पर स्थिति साफ नहीं है क्योंकि रूढ़िवादीयों ने मामले की सुनवाई के दौरान अधिकारियों की बर्खास्तगी को जारी रखा है। इससे पहले निचली अदालत के न्यायाधीशों ने बर्खास्तगी को अवैध पाया था। एक अन्य मामला जो अदालत में पहुंचा है लेकिन जिस पर अभी तक विचार नहीं किया गया है वह ट्रंप के कार्यकारी आदेश से जुड़ा है। इस आदेश के तहत अमेरिका में



कीव । तीन साल से जारी संघर्ष के बीच रूस ने शनिवार रात यूक्रेन के नौ क्षेत्रों में 50 से ज्यादा मिसाइल और लगभग 500 ड्रोन दागे। पश्चिमी शहर लविव में ड्रोन-मिसाइल हमलेमें पांच लोग मेरे, जिनमें 15 साल का बच्चा भी शामिल है। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से जारी संघर्ष में स्थिति और भयावह होती जा रही है। ध्यान देने वाली ये भी है कि अभी दूर-दूर तक इस संघर्ष के खत्म होने के आसार भी नहीं दिख रहे हैं। कारण है कि इन दिनों रूस का यूक्रेन पर हमला और तेज हो गया है। इस संघर्ष के ताजा अपडेट की बात करे तो शनिवार रात भर रूस ने यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर ड्रोन, मिसाइल और गाइडेड बमों से हमला किया, जिसमें कम से कम पांच आम नागरिक मारे गए। यूक्रेन

के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेन्स्की ने रविवार सुबह बताया कि रूस ने नौ अलग-अलग इलाकों में 50 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें और करीब 500 ड्रोन दागे। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल की मौत हुई, जिनमें एक 15 साल का बच्चा भी शामिल है। इस हमले से दो इलाकों में बिजली गुल हो गई और सार्वजनिक यातायात भी कुछ घंटों के लिए बंद रहा। लविव के मेयर आंद्रिय सादोवी ने बताया कि शहर के बाहर एक व्यावसायिक परिसर में आग लगी, जो किसी सैन्य गतिविधि से जुड़ा नहीं था। और कहा-कहा हुआ हमला? इवानो-प्रैंकव्स्क क्षेत्र में भी एक व्यक्ति

घायल हुआ, जबकि दक्षिणी शहर जापोरिज्जिया में एक महिला की मौत हो गई और नौ लोग घायल हुए। यहां ड्रेन और गाइडेड बमों से हमला किया गया, जिससे कई आवासीय भवन नष्ट हो गए और करीब 73,000 घरों में बिजली चली गई। इसके साथ ही पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र स्लोवियात्स्क में भी एक अपार्टमेंट पर हमला हुआ, जिसमें छह लोग घायल हुए। वहां कई घरों, दुकानों और कारों को नुकसान पहुंचा। राष्ट्रपति जेलेन्स्की ने पश्चिमी देशों से यूक्रेन को और अधिक वायु रक्षा प्रदान करने की अपील की ताकि इस हवाई आतंक को रोका जा सके। यूक्रेन ने भी लंबी दूरी से हमले किए रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेन ने भी रूस के कई ठिकानों पर लंबी दूरी से हमले किए हैं, खासकर रूस के तेल उद्योग की निशाना बनाकर, जिससे वहां ईंधन की कमी बनी हुई है। रूस ने सर्दियों से पहले यूक्रेन की बिजली आपूर्ति और रेलवे नेटवर्क पर हमले तेज कर दिए हैं, जिससे नागरिकों को गर्मी, बिजली और पानी की समस्या हो रही है। शान्तका शहर में हुए हालिया हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई और कई घायल हुए। इससे साफ है कि युद्ध जारी है और आम लोगों को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन व मिसाइलें बरसाईं, पोलैंड ने हवाई सुरक्षा के लिए किया यह काम

नई दिल्ली: सितंबर में पोलैंड की ओर से अपने हवाई क्षेत्र में सख्तिह रूसी ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद पूर्वी-नाटो सदस्य हाई अलर्ट पर हैं और कोपेनहेगन और म्युनिख सहित अन्य स्थानों पर ड्रोन देखे जाने और हवाई घुसपैठ के कारण यूरोपीय विमानन क्षेत्र में अराजकता फैल गई है। आइए इस बारे में जानें। रूस की ओर से यूक्रेन पर हवाई हमले शुरू करने के बाद नाटो के सदस्य देश पोलैंड ने दावा किया है कि उसने अपनी हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रविवार तड़के अपने विमान भेजे हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि पोलिश सीमा के पास लवीव क्षेत्र में मिसाइलें और ड्रोन हमले



किए गए। पोलैंड की ऑरिफेशनल कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पोलिश और सहयोगी विमान हमारे हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहे हैं, जबकि जमीन आधारित वायु रक्षा और रडार टोही प्रणालियों को तैयारी की स्थिति में लाया गया है। सितंबर में पोलैंड की ओर से अपने हवाई क्षेत्र में सख्तिह रूसी ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद पूर्वी-नाटो सदस्य हाई अलर्ट पर हैं और कोपेनहेगन और म्युनिख सहित अन्य स्थानों पर ड्रोन देखे जाने और हवाई घुसपैठ के कारण यूरोपीय विमानन क्षेत्र में अराजकता फैल गई है। शनिवार देर रात हवाई अड्डे की ओर बढ़ते गुब्बारों की संभावित श्रृंखला की रिपोर्ट के बाद लिथुआनिया के विलनियस हवाई अड्डे को रात भर कई घंटों के लिए बंद कर दिया गया। उड़ान ट्रेकिंग वेब फ्लाइटराडार 24 के अनुसार, रविवार को सुबह-सुबह वाणिज्यिक उड़ानें उस मार्ग का उपयोग कर रही थीं। इसका उपयोग आमतौर पर तब किया जाता है, जब यूक्रेन की सीमा के पास पोलैंड के ल्यूबलिन और रम्सोव हवाई अड्डे बंद होते हैं। हालांकि फ्लाइटराडार24 की रिपोर्ट को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं कर सका है। जानकारी के मुताबिक पूरा यूक्रेन रात भर कई घंटों तक हवाई हमले की चेतावनी में रहा और यूक्रेन की वायु सेना ने लवीव क्षेत्र के लिए मिसाइल और ड्रोन हमलों की सबसे गंभीर चेतावनी जारी की।

अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की उड़ान की इमरजेंसी लैंडिंग, अचानक खुली विमान की RAT प्रणाली

बर्मिंघम : पंजाब के अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई117 की इमरजेंसी लैंडिंग बर्मिंघम हवाई अड्डे पर कराई गई है। जानकारी के मुताबिक उड़ान के दौरान विमान की रैम एअर टर्बाइन अचानक से खुल गई। जिसके बाद विमान को उतारा गया और जांच के लिए ग्राउंड किया गया।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 117, जो 4 अक्तूबर को अमृतसर से बर्मिंघम जा रही थी, में तकनीकी गड़बड़ी सामने आई है। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि ये बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान थी, इसे एहतियात बरतते हुए बर्मिंघम एयरपोर्ट पर उतारा गया है। इस लैंडिंग के दौरान विमान के रैम एयर टर्बाइन अचानक से सक्रिय हो गई। जिसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारने के बाद विमान को जांच के लिए भेज दिया गया है। यह घटना विमान की फाइनल लैंडिंग की प्रक्रिया के दौरान



हुई। एअर इंडिया ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि 4 अक्टूबर 2025 को अमृतसर से बर्मिंघम जा रही फ्लाइट एआई-117 में ऑपरेटिंग क्रू को लैंडिंग से ठीक पहले फ़अठ प्रणाली के सक्रिय होने जानकारी मिली। जांच में सभी इलेक्ट्रिकल और हाइड्रोलिक पैरामीटर

सामान्य पाए गए। विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और कोई तकनीकी खराबी दर्ज नहीं हुई। कंपनी ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया के तहत विमान को ग्राउंड किया गया है ताकि उसकी विस्तृत जांच हो सके। विमान की वापसी उड़ान अम्ब14 (बर्मिंघम से दिल्ली) को रद्द कर दिया गया है।

क्या है आरएटी? रैम एयर टर्बाइन यानी आरएटी एक सुरक्षा उपकरण है, जो तब सक्रिय होता है जब विमान की मुख्य बिजली और हाइड्रोलिक सिस्टम में किसी तरह की समस्या आ सकती है। इलेक्ट्रिकल फेलियर, हाइड्रोलिक सिस्टम फेलियर और दोनों इंजन फेल होने पर ये प्लेन के निचले

नेपाल में लगातार बारिश ने मचाई तबाही, भूस्खलन में 40 लोगों की मौत ; कई इलाकों से टूटा संपर्क

काठमांडू : पूर्वी नेपाल के इलम में पिछले 24 घंटों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई है। सरकार को कई इलाकों में सेना की बचाव कार्य के लिए उतारना पड़ा है। पूर्वी नेपाल के कोशी प्रांत में शनिवार रात से हो रही भारी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। भीषण बारिश के चलते हुए भूस्खलन में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि इलम जिले के सूर्योदय नगर पालिका के मानेभंज्यांग में पांच लोगों की मौत हो गई। नेपाल के इलाकों में शनिवार से लगातार भारी बारिश हो रही है। कोशी प्रांत पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता एसएसपी दीपक पोखरेल के बताया, आज सुबह तक सूर्योदय नगर पालिका

में भूस्खलन में कम से कम पांच लोग, मंगसेखुम नगर पालिका में तीन और इलम में भूस्खलन में कम से कम पांच लोग, मंगसेखुम नगर पालिका में तीन और इलम

नगर पालिका में छह लोगों की मौत हो चुकी है। देउमई नगर पालिका में तीन और फक्फोकथुम ग्राम परिषद में एक व्यक्ति की मौत हुई है। सेना की गई तैनाती एसएसपी पोखरेल ने बताया, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि हम

नुकसान का आकलन कर रहे हैं। अभी तक हमारे पास नुकसान की अभी प्रारंभिक जानकारी है। फिलहाल नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस को मौके पर तैनात कर दिया गया है। नेपाल सेना ने बचाव कार्यों के लिए एक हेलीकॉप्टर भेजा है। हालांकि, खराब मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है। नेपाल के सात प्रांतों में से पांच में मानसून सक्रिय है। जिनमें कोशी, मधेशी, बागमती, गंडकी और लुम्बिनी शामिल हैं। कई इलाकों में अलर्ट शनिवार सुबह से ही प्रमुख नदियों के किनारे बसे इलाकों में खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया। स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

बिश्नोई गैंग के बुरे दिन: सुरक्षा एजेंसियों का दावा- अलग हुए गोल्डी बराड़ और काला जठेड़ी, लॉरेंस को बड़ा झटका

नई दिल्ली : सुरक्षा एजेंसियों की मानें तो लॉरेंस गैंग का दाहिना हाथ कहे जाने वाले कनाड़ा में बैठे गोल्डी बराड़ और काला जठेड़ी भी अलग हो गए हैं। ये लॉरेंस के लिए बहुत बड़ा झटका है। राजस्थान का गैंगस्टर रोहित गोदारा भी लॉरेंस गैंग से अलग हो चुका है।

अपराध की दुनिया में एकछत्र राज करने वाले लॉरेंस बिश्नोई व उसके गैंग के बुरे दिन शुरू हो चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियों की मानें तो लॉरेंस गैंग का दाहिना हाथ कहे जाने वाले कनाड़ा में बैठे गोल्डी बराड़ और काला जठेड़ी भी अलग हो गए हैं। ये लॉरेंस के लिए बहुत बड़ा झटका है। राजस्थान का गैंगस्टर रोहित गोदारा भी लॉरेंस गैंग से अलग हो चुका है। अधिकारियों की मानें तो इस समय लॉरेंस बिश्नोई अमेरिका में बैठे

भाई अनमोल के साथ अकेला रह गया है। कनाड़ा सरकार ने हाल ही में लॉरेंस के



खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। कनाड़ा सरकार ने बिश्नोई गैंग को एक आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। बिश्नोई गैंग पर कनाड़ा में खास समुदाय को निशाना बनाकर डर और धमकी का माहौल बनाने

का आरोप है। इसे देखते हुए कनाड़ा की पब्लिक सेफ्टी मिनिस्ट्री की तरफ से जारी

बयान में कहा गया कि बिश्नोई गैंग एक इंटरनेशनल टेरिस्ट गैंग है जो हिंसा दहशतवादी और डरावे धमकाने का काम करता है। ऐसे में बिश्नोई गैंग को आतंकी संगठन घोषित करने के बाद कनाड़ा की

सहमत हो गया है और हमास की गुिष्ठ के बाद युद्धविराम लागू किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि हमास की सहमति के बाद कैदियों और बंधकों की अदला-बदली की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को (स्थानीय समयानुसार) गाजा का नया नक्शा जारी किया है। दृष्ट पर ट्रंप ने लिखा, बातचीत के बाद इस्राइल वापसी की शुरुआती रेखा पर सहमत हो गया है, जिसे हमने हमास को दिखाया और उसके साथ

साझा किया है। जब हमास इसकी गुिष्ठ करेगा, तो युद्धविराम तुरंत प्रभावी हो जाएगा। बंधकों और कैदियों की अदला-बदली शुरू हो जाएगी और हम वापसी के अगले चरण के लिए परिस्थितियां तैयार करेंगे। जिससे हम इस 3,000 साल पुरानी तबाही के अंत के करीब पहुंच जाएंगे। इस मामले में ध्यान देने के लिए धन्यवाद! गाजा के लिए ट्रंप का प्लान बता दें कि, ट्रंप द्वारा

और इन्हीं से वारदातें करवा रहा था। इसे देखते हुए ये गैंगस्टर लॉरेंस से अलग हुए हैं। अब ये अपने ही साम्राज्य चलाना चाहते हैं। एक कारण ये भी बताया जा रहा है कि गोल्डी बराड़ इस समय दख बिरोधी काम करने वाले खालिस्तानियों से जुड़ गया है। गोल्डी बराड़ समेत कुछ गैंगस्टरों का नाम इस मामले में सामने आ चुका है। इसको लेकर इनका व लॉरेंस का मजमुदाब हो गया। छोटे भाई अनमोल को लेकर भी लॉरेंस व गोल्डी के बीच तकरार पैदा हो गई थी। छत्र जीवन में रखा अपराध की दुनिया में कदम रखा था। उसने यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव के दौरान एक प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार को गोलीबारी की थी।